

## प्रीलिमिंस फैक्ट्स: 27 अगस्त, 2018

### वशिव हृदि सम्मलेन

- भारत सरकार ने वदिश मंत्रालय और मॉरीशस सरकार के सहयोग से 11वें वशिव हृदि सम्मलेन का आयोजन 18-20 अगस्त 2018 तक मॉरीशस में कथिया गया ।
- भारत के अतरिकित्त मॉरीशस वशिव का एकमात्त्र ऐसा देश है जो 11वें वशिव हृदि सम्मलेन के साथ तीसरी बार इस आयोजन की मेज़बानी कर रहा है ।
- इस अवसर पर मॉरीशस के पूरव प्रधानमंत्री अनरिद्ध जगननाथ ने कहा कहिम भारत की संतान हैं और भारत हमारी माता है । इस तरह एक बेटे की ज़मिमेदारी पूरी करते समय हम हृदि को संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषा बनाने के प्रयासों का समर्थन करते हैं ।

### अभी तक आयोजित वशिव हृदि सम्मलेन इस प्रकार हैं-

1.	प्रथम वशिव हृदि सम्मलेन	नागपुर, भारत	10-12 जनवरी, 1975
2.	द्वितीय वशिव हृदि सम्मलेन	पोर्ट लुई, मॉरीशस	28-30 अगस्त, 1976
3.	तृतीय वशिव हृदि सम्मलेन	नई दलिली, भारत	28-30 अक्टूबर, 1983
4.	चतुर्थ वशिव हृदि सम्मलेन	पोर्ट लुई, मॉरीशस	02-04 दसिंबर, 1993
5.	पाँचवाँ वशिव हृदि सम्मलेन	पोर्ट ऑफ स्पेन, ट्रनिडाड एण्ड टोबेगो	04-08 अप्रैल, 1996
6.	छठा वशिव हृदि सम्मलेन	लंदन, यू. के.	14-18 सतिंबर, 1999
7.	सातवाँ वशिव हृदि सम्मलेन	पारामारिबो, सूरीनाम	06-09 जून, 2003
8.	आठवाँ वशिव हृदि सम्मलेन	न्यूयार्क, संयुक्त राज्य अमरीका	13-15 जुलाई, 2007
9.	नौवाँ वशिव हृदि सम्मलेन	जोहांसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका	22-24 सतिंबर, 2012
10.	दसवाँ वशिव हृदि सम्मलेन	भोपाल, भारत	10-12 सतिंबर, 2015

### चीता पुनर्रवेश परयोजना

- हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार के वन विभाग ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण को राज्य के नौरदेही अभयारण्य में चीता को फरि से प्रवेश कराने की योजना को पुनर्रजीवित करने के लिये पत्र लिखा है ।
- इस महत्त्वकांक्षी परयोजना की कल्पना वर्ष 2009 में की गई थी जो नधियिन में कमी के कारण बाधित हो गई थी ।
- देश की आखिरी मादा चीता की मौत 1947 में छत्तीसगढ़ में हुई थी । इसके उपरांत धरती के सबसे तेज़ जानवर को सन् 1952 में भारत से वलुप्त (Extinct) घोषित कर दिया गया ।
- उल्लेखनीय है कि आईयूसीएन की रेड डाटा बुक में इसे सुभेद्य (Vulnerable) वर्ग में रखा गया है ।
- भारत के वन्यजीवन संस्थान ने देहरादून में छः साल पहले ₹ 260 करोड़ की लागत से चीता के पुनः प्रवेश परयोजना तैयार की थी ।
- उल्लेखनीय है नौरदेही अभयारण्य चीता के लिये सबसे उपयुक्त स्थलों में से एक है क्योंकि इसके कम घने जंगल तेज़ गति से दौड़ने के लिये अनुकूल हैं । इसके अलावा अभयारण्य में चीता के लिये शिकार भी बहुतायत मात्रा में उपलब्ध है ।
- पूरव कार्य-योजना के अनुसार लगभग 20 चीतों को अफ्रीका के नामीबिया से नौरदेही स्थानांतरित किया जाना था । गौरतलब है कि नामीबिया चीता संरक्षण कोष ने तब भारत को मादा चीता दान करने की इच्छा जाहिर की थी ।

## शेयरों की पुनर्खरीद

- पुनर्खरीद एक ऐसा तंत्र है जिसके माध्यम से एक सूचीबद्ध कंपनी बाज़ार से शेयर वापस खरीदती है। पुनर्खरीद को खुली बाज़ार खरीद या नविदा प्रस्ताव मार्ग के माध्यम से किया जा सकता है।
- खुले बाज़ार तंत्र के तहत कंपनी द्वितीयक बाज़ार से शेयरों की पुनर्खरीद करती है जबकि नविदा प्रस्ताव के तहत शेयरधारक पुनर्खरीद प्रस्ताव के दौरान अपने शेयरों की नविदा दे सकते हैं।
- ऐतहासिक रूप से अधिकांश कंपनियों ने खुले बाज़ार मार्ग को प्राथमिकता दी थी।

## कंपनियाँ क्यों करती हैं पुनर्खरीद?

- साधारण रूप में कोई भी कंपनी तभी पुनर्खरीद करती है जब उसके पास पर्याप्त नकद आरक्षण मौजूद होता है या उसे ऐसा प्रतीत होता है कि बाज़ार में उसके शेयर का सही मूल्य नहीं मिला पा रहा है।
- इस तंत्र को अपनाने के लिये कंपनी को सामान्य बैठक में विशेष प्रस्ताव पारित करने की आवश्यकता होती है। कोई कंपनी शेयरों की पुनर्खरीद के लिये अपनी कुल मुक्त आरक्षण (Free reserve) और भुगतान पूंजी (Paid-up capital) का अधिकतम 25% का ही उपयोग कर सकती है।
- हाल ही में भारतीय प्रतभूता एवं वनिमिय बोर्ड (सेबी) ने पुनर्खरीद के नियमों में संशोधन किया है जो खुदरा नविशकों को प्रस्ताव में उचित हिस्सा देता है और पुनर्खरीद प्रस्ताव में खुदरा शेयरधारकों के लिये 15% आरक्षण निर्धारित करता है।

## लाभ

- चूँकि पुनर्खरीद गए शेयर समाप्त हो जाते हैं इसलिये प्रतभूता शेयर पर होने वाली कमाई स्वतः बढ़ जाती है।
- शेयरधारकों को एक आकर्षक विकल्प मिलाता है, विशेषकर तब जब शेयरों का कारोबार कम-से-कम किया जाता है क्योंकि आमतौर पर पुनर्खरीद मौजूदा बाज़ार कीमत की तुलना में अधिक कीमत पर की जाती है।
- यह शेयरधारकों को पुरस्कृत करने के लिये एक तरीके के रूप में लाभांश से भी अधिक कर-कुशल है।

## कमियाँ

- इसके बाद अधिमिनी आवंटन (preferential allotment) शेयर जारी करने पर समयबद्ध सीमा भी आरोपित कर दी जाती है।
- एक कंपनी पुनर्खरीद बंद होने की अंतिम तारीख से एक वर्ष के भीतर दूसरा पुनर्खरीद प्रस्ताव नहीं दे सकती है।

## बॉम्बे नेचुरल हसिट्री सोसाइटी

- बॉम्बे नेचुरल हसिट्री सोसाइटी (BNHS) द्वारा ओडिशा के चिल्का झील के निकट चिल्का विकास प्राधिकरण (CDA) के आर्द्रभूमि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में एक क्षेत्रीय इकाई की शुरुआत की जाएगी।
- BNHS की क्षेत्रीय इकाई पक्षी प्रवासन और जल पक्षियों की गिनती तकनीकों पर स्वयंसेवकों के साथ वन्यजीव और CDA कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करेगी।
- यह केंद्र नमूनों को इकट्ठा करके एचयिन रोग पर शोध करेगा और नालाबाना पक्षी अभयारण्य की नगिरानी करेगा।

- 1883 में स्थापित।
- मुंबई आधारित।
- BNHS पूरे देश में वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर संरक्षण पर काम कर रहा एक अग्रणी गैर-सरकारी संगठन है।